SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू : एड्स जागरूकता के लिए पदयात्रा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू ने मानसिक स्वास्थ्य और एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के क्रम में मनोविज्ञान विभाग द्वारा एड्स जागरूकता दिवस के लिए प्लान इंडिया नेशनल और यूपीएनपी के सहयोग से छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में विभाग में स्थापित साइके हब क्लब दीर्घकालीन बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इस 3 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में बीते मंगलवार को स्लोगन लेखन और टी-शर्ट पेंटिंग से शुरू होने के बाद बुधवार को एक ही थीम पर कोलाज और पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता एवं गुरूवार को पदयात्रा के साथ संपन्न हुई।

विश्व एड्स दिवस के मौके पर इस तीन दिवसीय कार्यक्रमों की यह कड़ी, एचआईवी और एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हुई। एलयू के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से गुरूवार को प्रोफेसर राकेश चन्द्रा द्वारा झंडी दिखा एकजुटता दर्शाती पदयात्रा के साथ आरंभ हुई। इस पदयात्रा का समापन शिवाजी की प्रतिमा के समक्ष हुआ, जहां एलयू कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को संबोधित किया। दीर्घकालीन रोगों के बारे में कहते हुए कुलपति ने कहा कि इस स्थिति के लिए जागरूकता बहुत आवश्यक है। यह छात्रों द्वारा एक अच्छी पहल थी और हमें और अधिक जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

कुलपति ने अपने संबोधन में मनोविज्ञान विभाग की प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों के अतुलनीय प्रयासों को सराहा। अभियान के दौरान सभी विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता और सहयोग का संदेश दिया। इस अभियान का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित कमिटी की अध्यक्ष डॉ. माननी श्रीवास्तव ने किया। अभियान के दौरान डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. पूनम टण्डन, रजिस्ट्रार डॉ. संजय मेधावी एवं प्रॉक्टर डॉ. राकेश द्विवेदी की उपस्थिति प्रमुख रही।

नवाचार एवं कौशल पर पैनल चर्चा संपन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरूवार को मालवीय हॉल में जी-20 में भारत के प्रेसीडेंसी का उत्सव मनाने के लिए 'फ्यूचर ऑफ वर्क: इंडस्ट्री 4.0, इनोवेशन एंड 21 सेंचुरी स्किल्स' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनल चर्चा के वक्ता शिशिर सिन्हा, एसोसिएट एडिटर, द हिंदू बिजनेस लाइन और जयंत कृष्णा, सीईओ, फाउंडेशन फॉर एडवांसिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पूर्व सीईओ, ईडी और सीओओ, एनएसडीसी, प्रधानमंत्री कौशल भारत मिशन थे। चर्चा जी-20 के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों को संवेदनशील बनाने और कौशल विकास के माध्यम से देश में आर्थिक विकास के अवसर पर केंद्रित थी, जो भारत को ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस मौके पर वक्ताओं ने प्रौद्योगिकी से प्रेरित होकर अगले दशक में काम के भविष्य पर जोर दिया। सिन्हा ने इंडस्ट्री 4.0 की अवधारणा के साथ-साथ इसके रास्ते में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की वही नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा कार्यबल के कौशल के उन्नयन पर भी चर्चा की गई। संयोजक प्रो. संगीता साहू ने मंच पर अतिथियों का स्वागत किया।कृष्णा ने दुनिया भर के विभिन्न संगठनों के उदाहरणों के माध्यम से कौशल में बदलाव पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस क्षेत्र में शोध पर जोर देते हुए कहा कि भारत की, जी 20 में अध्यक्षता अवसरों की सोने की खान है और इसे शिक्षा व्यवस्था व प्रणाली में परिवर्तन कर प्राप्त किया जा सकता है। घनश्याम शाही ने वसुधैव कुटुम्बकम् के माध्यम से विकास के भारतीय मॉडल को प्रस्तुत किया। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि उन्होंने इंडस्ट्री 4.0 की प्रस्तावना के रूप में समाज 4.0 की बदलती गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित किया एवं जी-20 उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जो तैयारी, शिक्षा संस्थानों को चाहिए उसकी कुंजी हर व्यक्ति विशेष के पास है, अर्थात इंडिविजुअल तक पहुंचने वाली शिक्षा प्रणाली में बदलाव व बेहतरी से ही जी-20 के शैक्षिक उद्देश्य को पूरा किया जा सकेगा।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छह विभागों व्यापार प्रशासन विभाग, वाणिज्य विभाग, व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस और भाऊराव देवरस शोध पीठद्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम एलयू और वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन ऑफ़ स्टूडेंट एण्ड यूथ के संयुक्त तत्वाधान में किया गया जिसमें 135 विदेशी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कुलपति, डीन स्टूडेंट केल्फेयर, प्रो. पूनम टंडन, डीन, वाणिज्य संकाय, विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य और छात्र बड़ी संख्या में पैनल चर्चा में शामिल हुए और उनके द्वारा प्रस्तुत अंतर्दृष्टि से लाभान्वित हुए। अंत में प्रो. एम.के. अग्रवाल ने परिणामों पर टिप्पणी की और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सत्र का समापन किया।

एलयू के द्वितीय परिसर में पांच दिवसीय संस्कृति सुरभि का आयोजन

- एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम आयोजित होंगे

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित जानकीपुरम में लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में 5 दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता संस्कृति सुरभि का आयोजन होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता महोत्सव का शुभारंभ 13 से 17 दिसंबर तक होगा। इस मौके पर गुरूवार को एलयू कुलपति को आमंत्रित किया गया। वही इस कार्यक्रम का समापन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के हाथों से संपन्न होगा। संस्कृति सुरभि में सांस्कृतिक साहित्यिक कार्यक्रमों सहित इंडोर व आउटडोर खेलों के साथ ही कई अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सी.पी सिंह मार्गदर्शक, द्वितीय परिसर के निदेशक प्रो. बी.डी सिंह, लखनऊ एलयू खेल एवं समिति, द्वितीय परिषद के खेल प्रभारी प्रोफेसर सतीश चंद्र, डॉ. अनुराग कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने सभी को सम्मानित किया। इस आयोजन में एल.यू.सी.एस.सी के अध्यक्ष उग्रसेन वर्मा, समिति के समन्वयक अमित राय सहित समिति के अन्य सदस्य प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर सेमिनार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी में गुरूवार को एलयू के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय, इंडियन योग फेडरेशन तथा यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में पाचन तंत्र में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का प्रभाव विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन डॉ. दिलीप कुमार तिवारी, विभागध्यक्ष ए.के.एस. यूनिवर्सिटी, सतना ने बताया कि स्वस्थ पाचन के लिए सात्विक आहार का सेवन करना चाहिए। प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से शारिरिक एवं मानसिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके पश्चात भगवान सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. आर के सिंह ने बताया कि स्वस्थ पाचन के लिए योग जीवन संजीवनी है जिसके माध्यम से जीवन का समग्र विकास होता है। इसके पश्चात देहरादून स्थित गुरु राम राय विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि शरीर की क्षमता के हिसाब से योगाभ्यास करना चाहिए क्योंकि आसनों एवं प्राणायामों की अपनी सीमाएं हैं। किसी प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक के प्रशिक्षण में ही योगाभ्यास करना चाहिए। इसके पश्चात देश भर से आये प्राकृतिक चिकित्सकों ने प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्टीम बाथ, हॉट एंड कोल्ड पट्टी तथा हिप बाथ से कॉन्स्टिपेशन तथा पेट सम्बंधी बीमारियों में लाभ प्राप्त होता है। उदर के विकारों में 20 प्रतिशत अम्लीय तथा 80 प्रतिशत क्षारीय तथा विटामिन्स, मिनिरल्स सहित भोजन लेना आवश्यक है। कार्यक्रम के समापन सत्र में सांस्कृतिक समारोह में कथक का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के दौरान देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, प्रशिक्षक, स्नातक-परास्नातक के समस्त छात्र-छात्राएं एवं देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से सैकड़ों लोगों ने प्रतिभाग किया।

NBT PAGE 4

'फोर डे वीक वर्किंग पर भी विचार कर रहीं कंपनियां'

■ एनबीटी सं, लखनऊ : कई इंटरनेशनल कंपनियां हफ्ते में चार दिन वर्किंग पर विचार कर रही हैं। आने वाले समय में यह लागू भी हो सकता है। अब कंपनियां इस बात पर अधिक फोकस कर रही हैं कि उनके पास काम करने के लिए पहुंचे व्यक्ति के पास समस्याओं का उचित समाधान है कि नहीं। ऐसे लोगों के पास नौकरियों की कोई दिक्कत नहीं होगी। यह बाते वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सिन्हा ने कहीं। वह गुरुवार को एलयू के मालवीय हॉल में 'फ्यूचर ऑफ वर्क इंडस्ट्री 4.0, इनोवेशन एंड 21 सेंचुरी स्किल्स' विषय पर हुए पैनल डिस्कशन में बोल रहे थे।

वहीं फाउंडेशन फॉर एडवांसिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सीईओ जयंत कृष्णा ने कहा कि मौजूदा समय में किसी भी विषय पर अच्छे शोधों की आवश्यकता है। मगर

वैज्ञानिकों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वैज्ञानिकों को अच्छे फंड मिलने चाहिए। इस बीच उन्होंने दुनिया भर के विभिन्न संगठनों के उदाहरणों के जरिए कौशल में बदलाव पर विचार-विमर्श किया। वहीं एलयू के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने इंडस्ट्री 4.0 की प्रस्तावना के रूप में समाज 4.0 की बदलती गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम में प्रो. एमके अग्रवाल, प्रो. संगीता साहू, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

एलयू के न्यू कैंपस में होगी संस्कृति सुरभि

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू के न्यू कैंपस में 13 से 17 दिसंबर तक खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'संस्कृति सुरभि' का आयोजन होगा। वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने गुरुवार कार्यक्रम का पोस्टर रिलीज करते हुए 5 दिवसीय आयोजन की जानकारी दी। समारोह में इंडोर व आउटडोर खेलों के साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें विवि के साथ ही में सरकारी, गैर-सरकारी विद्यालय व महाविद्यालयों के विद्यार्थी भी शिरकत करेंगे।

पाचन के लिए लें सात्विक आहार

लखनऊ। लविवि के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन केएस यूनिवर्सिटी के डॉ. दिलीप तिवारी ने कहा कि स्वस्थ पाचन के लिए सात्विक आहार का सेवन करें। पूर्व कुलपति भगवान सिंह विवि डॉ. आरके सिंह ने कहा कि स्वस्थ पाचन के लिए योग जीवन संजीवनी है। इससे जीवन का समग्र विकास होता है। डॉ. अमरजीत यादव, डॉ. सुनील भी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

10 साल बाद 85 फीसदी नौकरियां नई होंगी

'फ्यूचर ऑफ वर्क : इंडस्ट्री 4.0, इनोवेशन व 21वीं सदी की स्किल' पर व्याख्यान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। भारत को जी-20 की मेजबानी मिलने के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को 'फ्यूचर ऑफ वर्क : इंडस्ट्री 4.0, इनोवेशन व 21वीं सदी की स्किल' पर विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना, अवसरों की खान है। इसे शिक्षा व्यवस्था व प्रणाली में परिवर्तन कर प्राप्त किया जा सकता है। दस साल बाद 85 फीसदी नौकरियां नई होंगी।

वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन स्टूडेंट ऑफ यूथ के संयुक्त तत्वावधान में मालवीय सभागार में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सिन्हा ने कहा कि जमाना बदल रहा है। जो समय को समझ लेगा, वह आगे बढ़ेगा। हम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की गिरफ्त में हैं। आने वाले समय में लोगों के दिमाग पर रोबोट का कब्जा होगा। 21वीं सदी में इंडस्ट्री का भविष्य

लविवि में व्याख्यान में बोलते वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सिन्हा व उद्घाटन करते कुलपति आलोक राय। ■साधार

अनिश्चित है। उन्होंने बताया कि बदलाव का नतीजा है कि आज डिजिटल पेमेंट 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भविष्य की योजनाओं पर काम चल रहा है। 10 साल बाद 85 फीसदी नौकरियां नई होंगी। नेशनल स्किल डवलपमेंट काउंसिल के पूर्व सीईओ जयंत कृष्णा ने कौशल के क्षेत्र में बदलाव और शोध पर जोर दिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि जी-20 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जो तैयारी शिक्षा संस्थानों को चाहिए, उसकी कुंजी हर व्यक्ति के पास है। घनश्याम शाही ने वसुधैव कुटुंबकम से विकास के भारतीय मॉडल को प्रस्तुत किया। एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू में संस्कृति सुरभि 13 से होगा

लखनऊ। एलयू के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में पांच दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता संस्कृति सुरभि का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक राय ने पोस्टर रिलीज करके किया। खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं अन्य कार्यक्रम 13 से 17 दिसंबर के बीच द्वितीय परिसर के खेल मैदान में होंगे। संस्कृति सुरभि में सांस्कृतिक साहित्यिक कार्यक्रमों सहित खेलों के कार्यक्रम होंगे। पोस्टर रिलीज कार्यक्रम में खेल एवं सांस्कृतिक कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश चंद्रा कमेटी के अध्यक्ष उग्रसेन वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

JAGRAN CITY PAGE I

जी-20 से भारत विश्व गुरु बनने की ओर

जासं ,लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में जी-20 में भारत के प्रेसीडेंसी का उत्सव मनाने के लिए 'फ्यूचर आफ वर्क: इंडस्ट्री 4.0 इनोवेशन एंड 21 सेंचुरी स्किल' विषयक पैनल चर्चा हुई। इसमें फाउंडेशन फार एडवांसिंग साइंस एंड टेक्नालाजी के सीईओ और एनएसडीसी पीएम स्किल इंडिया मिशन के पूर्व सीईओ जयंत कृष्णा ने दुनिया भर के विभिन्न संगठनों के उदाहरणों के माध्यम से कौशल में बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता अवसरों में सोने की खान है। इसे शिक्षा व्यवस्था व प्रणाली में परिवर्तन कर हासिल किया जा सकता है। वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सिन्हा ने इंडस्ट्री 4.0 और इसके रास्ते में आने वाली चुनौतियों पर विचार रखे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में जी-20 पर आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते एनएसडीसी पीएम स्किल इंडिया मिशन के पूर्व सीईओ जयंत कृष्णा, साथ में उपस्थित लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि जी-20 उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जो तैयारी शिक्षा संस्थानों को चाहिए उसकी कुंजी हर व्यक्ति विशेष के पास है। मतलब इंडिविजुअल तक पहुंचने वाली शिक्षा प्रणाली में बदलाव व बेहतरी से ही जी-20 के शैक्षिक उद्देश्य को पूरा किया जा सकता है।

अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.एमके अग्रवाल ने निष्कर्ष में कहा कि भारत जी-20 के तहत अपना कोई स्वार्थ नहीं देखता, बल्कि विश्व कल्याण के तहत काम कर रहा है और उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। जी-20 से भारत विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। भारत एक ऐसा देश है जहां सामाजिक पूंजी की प्रचुरता के कारण विकास कभी रुक नहीं सकता। विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। घनश्याम शाही ने वसुधैव कुटुम्बकम के माध्यम से विकास के भारतीय माडल को प्रस्तुत किया।

i-NEXT PAGE 2

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीएससी केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल 31 जनवरी तक

बीएससी केमिस्ट्री प्रैक्टिकल एग्जाम होंगे 10 जनवरी से

पांचों जिलों के कालेजों को मिलाकर आठ हजार स्टूडेंट्स होंगे शामिल

LUCKNOW (1 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय बीएससी केमिस्ट्री तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 से 31 जनवरी के बीच कराएगा. इसमें करीब आठ हजार स्टूडेंट्स शामिल होंगे. केमिस्ट्री विभाग ने हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और रायबरेली जिलों के सहयुक्त महाविद्यालयों से बीएससी केमिस्ट्री पांचवें और लखनऊ से तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के लिए विस्तृत विवरण 10 दिसंबर तक मांगा है. इसके लिए विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने कालेजों के प्राचार्यों एवं विभाग के हेड को गुरुवार को निर्देश जारी किए हैं.

पीडीएफ मेल पर देनी है

प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और सीतापुर के कालेजों से बीएससी केमिस्ट्री तीसरे सेमेस्टर के लिए यूडीआरसी कालेज कोड, कालेज का प्रकार, केमिस्ट्री विषय मेजर और माइनर प्रोजेक्ट के रूप में लेने वाले स्टूडेंट्स की संख्या, प्रस्तावित बैच संख्या, कालेज के लिए प्रस्तावित परीक्षा की तिथि, स्थायी एवं अनुमोदित शिक्षकों का विवरण (कुलसचिव के अनुमोदन पत्र के साथ), मोबाइल नंबर के साथ 10 दिसंबर तक देना होगा. साथ ही इसकी सूचना पीडीएफ फाइल बनाकर ई-मेल chemistry.college.lu@gmail.com पर भेजनी होगी. इसी तरह लखनऊ के कालेजों से भी केमिस्ट्री तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के लिए यही विवरण देने के लिए कहा गया है.

एमएससी तीसरे सेमेस्टर के प्रैक्टिकल एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से एमएससी तीसरे सेमेस्टर फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 व 14 दिसंबर को होंगी. परीक्षा का समय सुबह 10 से शाम पांच तक रहेगा. प्रो. अनिल मिश्रा ने इसकी नोटिस जारी कर दी. छात्र-छात्राओं को 30 मिनट पहले पहुंचना होगा.

बीए तीसरे सेमेस्टर के प्रैक्टिकल एग्जाम

नेशनल पीजी कालेज ने बीए तृतीय सेमेस्टर (पेपर-2) की प्रयोगात्मक परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया. यह परीक्षा तीन दिसंबर को होगी. पहले बैच की प्रयोगात्मक परीक्षा सुबह 8.30 बजे से और दूसरे बैच की परीक्षा 11 बजे से शुरू होगी. इसके विस्तृत निर्देश कालेज की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं.

10 तक पूरा करना होगा आंतरिक मूल्यांकन

लखनऊ विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े सभी विधि महाविद्यालयों के शिक्षकों को एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स का इंटरनल (आंतरिक मूल्यांकन) 10 दिसंबर तक और शिक्षण कार्यक्रम 20 दिसंबर तक पूरा करना होगा. 21 दिसंबर से इंटर्नशिप के लिए भेजा जाएगा. विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने विधि कालेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं. डीन प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की कक्षाएं सितंबर में शुरू हुई थी. कोर्स समय से पूरा कराने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रति सप्ताह छह दिन कक्षाएं चलाने के निर्देश पहले ही दिए थे. विश्वविद्यालय के विधि विभाग एवं कालजों के शिक्षकों से कहा गया है कि वह एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स का 30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन 10 दिसंबर तक कर लें और समय से अंक अपलोड कर दें. 20 दिसंबर तक कोर्स भी पूरा करा लिया जाए ताकि 21 दिसंबर से विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के लिए अनुमति दी जा सके.

24 शिक्षकों की नियुक्तियों को मिल गया अनुमोदन

चार कालेजों के 24 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति को अनुमोदन

LUCKNOW (1 DEC): एलयू ने सेल्फ फाइनेंस योजना के अंतर्गत लखनऊ, सीतापुर और हरदोई के चार कालेजों में 24 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्तियों को अनुमोदन दे दिया. इनमें लखनऊ के श्री कृष्णा कालेज में बीए पाठ्यक्रम के लिए पांच, श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन महाविद्यालय में बीएड पाठ्यक्रम के लिए 12 असिस्टेंट प्रोफेसर, सरदार सिंह शिवराज सिंह महाविद्यालय सीतापुर में बीएड के लिए पांच और पीबीआर कृषि महाविद्यालय हरदोई में एमएससी कृषि एग्रोनामी कोर्स में दो शिक्षकों के नाम शामिल हैं. कुलसचिव संजय मेधावी ने इसका विवरण वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया है.

कोर्स वर्क पांच दिसंबर से

सांख्यिकी विभाग में पीएचडी कोर्स वर्क 2021-22 की शुरुआत पांच दिसंबर से होगी. विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद एच सिद्दीकी ने गुरुवार को इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया. पीएचडी 2021-22 में प्रवेश लेने वाले सभी स्टूडेंट्स को सुबह 10 बजे विभाग में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि : जी-20 में भारत के प्रेसीडेंसी उत्सव मनाने को पैनल चर्चा

लखनऊ (एसान्यूबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को मालवीय हॉल में जी-20 में भारत के प्रेसीडेंसी का उत्सव मनाने के लिए एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनल चर्चा के वक्ता शिशिर सिन्हा, एसोसिएट एडिटर और जयंत कृष्णा, पूर्व सीईओ और ईडी और सीओओ, एनएसडीसी, प्रधान मंत्री कौशल भारत मिशन थे।

चर्चा जी-20 के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों को संवेदनशील बनाने और कौशल विकास के माध्यम से देश में आर्थिक विकास के अवसर पर केंद्रित थी जो भारत को ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस मौके पर वक्ताओं ने प्रौद्योगिकी से प्रेरित होकर अगले दशक में काम के भविष्य पर जोर दिया। सिन्हा ने इंडस्ट्री 4.0 की अवधारणा के साथ-साथ इसके रास्ते में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की वही नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा कार्यबल के कौशल के उन्नयन पर भी चर्चा की गई। संयोजक प्रो. संगीता साहू ने मंच पर अतिथियों का स्वागत किया।कृष्णा ने दुनिया भर के विभिन्न संगठनों के उदाहरणों के माध्यम से कौशल में बदलाव पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस क्षेत्र में शोध पर जोर देते हुए कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता अवसरों की खोने की खान है और इसे शिक्षा व्यवस्था व प्रणाली में परिवर्तन कर प्राप्त किया जा सकता है। घनश्याम शाही ने वसुधैव कुटुम्बकम् के माध्यम से विकास के भारतीय मॉडल को प्रस्तुत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने अध्यक्षीय भाषण दिया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री 4.0 की प्रस्तावना के रूप में समाज 4.0 की बदलती गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि जी-20 उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जो तैयारी शिक्षा संस्थानों को चाहिए उसकी कुंजी हर व्यक्ति विशेष के पास है। घनश्याम शाही ने वसुधैव कुटुंबकम से विकास के भारतीय मॉडल को प्रस्तुत किया। एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

स्वस्थ पाचन के लिए सात्विक आहार जरूरी

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय एवं इंडियन योग फेडरेशन तथा यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में पाचन तंत्र में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का प्रभाव पर राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन एकेएस यूनिवर्सिटी सतना के विभागध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार तिवारी ने बताया कि स्वस्थ पाचन के लिए सात्विक आहार का सेवन करना चाहिए और मांसाहार का सेवन नही करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके पश्चात भगवान सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. आरके सिंह ने बताया कि स्वस्थ पाचन के लिए योग जीवन संजीवनी है। जिसके माध्यम से जीवन का समग्र विकास होता है। कार्यक्रम के संचालक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि योगाभ्यास के माध्यम जिसके अंतर्गत ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, बलासन, दंडासन, सुखासन, वीरभद्रासन, त्रिकोणासन, शशांकासन, मार्जारी आसन, विपरीतकरणी और अनुलोम विलोम, भ्रामरी, प्राणयाम का प्रयोग कर सकते हैं।

कार्यक्रम

- पाचन तंत्र में 'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

इसके पश्चात गुरु राम राय विश्वविद्यालय, देहरादून के असिस्टेंट प्रो. डॉ सुनील कुमार ने बताया कि योगाभ्यास शरीर की क्षमता के हिसाब से योगाभ्यास करना चाहिए क्योंकि आसनों एवं प्राणायामों की सीमाएं है। किसी प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक के प्रशिक्षण में ही योगाभ्यास करना चाहिए। इसके पश्चात देश भर से आए प्राकृतिक चिकित्सकों ने प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्टीम बाथ, हॉट एंड कोल्ड पट्टी, हिप बाथ से कॉन्स्टिपेशन तथा पेट संबंधित बीमारियों में लाभ प्राप्त होता है। उदर के विकारों में 20% अम्लीय तथा 80% क्षारीय तथा विटामिन्स, मिनिरल्स सहित भोजन लेना आवश्यक है।

जी-20 में विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने की चर्चा

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरूवार को मालवीय हॉल में जी-20 में भारत के प्रेसीडेंसी का उत्सव मनाने के लिए एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। पैनल चर्चा में 'द हिंदू बिजनेस लाइन' के शिशिर सिन्हा और फाउंडेशन फॉर एडवांसिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी के पूर्व सीईओ जयंत कृष्णा थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. संगीता साहू ने मंच पर अतिथियों का स्वागत किया।

लविवि के मालवीय हाल में चर्चा जी-20 के विभिन्न पहलुओं वक्ताओं ने प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा की। शिशिर सिन्हा ने इंडस्ट्री 4.0 की अवधारणा के साथ-साथ इसके रास्ते में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा कार्य बल के कौशल के उन्नयन पर भी चर्चा की गई।

पैनल चर्चा में मौजूद शिशिर सिन्हा, जयंत कृष्णा, प्रो. संगीता साहू, घनश्याम शाही और प्रो. आलोक कुमार राय। अमृत विचार

जयंत कृष्णा ने दुनिया भर के विभिन्न संगठनों के उदाहरणों के माध्यम से कौशल में बदलाव पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस क्षेत्र में शोध पर जोर दिया। वहीं घनश्याम शाही ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' के माध्यम से विकास के भारतीय मॉडल को प्रस्तुत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अध्यक्षता करते हुए इंडस्ट्री 4.0 की प्रस्तावना के रूप में समाज 4.0 की बदलती गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा 'जी -20 उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जो तैयारी शिक्षा संस्थानों को चाहिए उसकी कुंजी हर व्यक्ति विशेष के पास है।'

सेल्फ फाइनेंस की 24 और नियुक्तियों को अनुमोदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सेल्फ फाइनेंस योजना के अंतर्गत लखनऊ, सीतापुर और हरदोई के चार कालेजों में 24 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्तियों को अनुमोदन दे दिया। इनमें